वर्ल्ड क्रिकेट का पावरहाउस बनाने का बड़ा दावा

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रिलीज हुआ 'है जवानी तो इश्क़ होना है' का धमाकेदार ट्रेलर

Page-05

पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने 1 लाख से अधिक वोटों के रिकॉर्ड अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की।टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान के चुनाव मैदान से हटने के बाद मुकाबला भाजपा और माकपा के बीच सिमट गया था।21 मई को हुए पुनर्मतदान में 86.11 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ, जिसे क्षेत्र में बड़े राजनीतिक बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

फालता में भाजपा की ऐतिहासिक जीत 1 लाख से ज्यादा वोटों से रचा रिकॉर्ड

- **पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने 1,09,021 वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज कर नया इतिहास बनाया।**
- **टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान के चुनाव से हटने के बाद मुकाबला भाजपा और माकपा के बीच सिमट गया, जिसमें भाजपा को भारी जनसमर्थन मिला और 86.11% मतदान दर्ज हुआ।**

पश्चिम बंगाल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फालता विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने एक नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने 1,09,021 वोटों के एक बहुत बड़े अंतर से शानदार जीत हासिल की है। इस सीट पर विजयी रहे भाजपा प्रत्याशी पांडा को कुल 1,49,666 वोट मिले। वहीं दूसरी तरफ, दूसरे नंबर पर रहे माकपा के उम्मीदवार शंभूनाथ कुर्मी को 40,645 वोट और कांग्रेस के उम्मीदवार अब्दुर्रजाक मोल्ला को महज 10,084 वोट ही मिल सके। फालता विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार देबांग्शु पांडा की इस रिकॉर्ड तोड़ जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जमकर जश्न मनाया। आपको बता दें कि फालता सीट पर 21 मई को दोबारा चुनाव कराया गया था। इस सीट पर असली मुकाबला भाजपा के देबांग्शु पांडा और तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के बीच माना जा रहा था। लेकिन चुनाव की तारीख 21 मई से ठीक पहले टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान मैदान से पीछे हट गए थे। इसके बाद इस सीट पर मुख्य रूप से पांच उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में बचे थे, जिनमें भाजपा की सीधी टक्कर माकपा के शंभू नाथ कुर्मी से हो गई थी। 21 मई को हुए इस पुनर्मतदान में जनता ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था और इस सीट पर कुल 86.11 प्रतिशत की भारी वोटिंग दर्ज की गई थी। अगर पिछले रिकॉर्ड की बात करें, तो साल 2021 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर तृणमूल कांग्रेस के शंकर कुमार नस्कर ने जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार भाजपा ने यहां बड़े अंतर से कब्जा जमा लिया है। पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर भाजपा के देबांग्शु पांडा ने 1 लाख से अधिक वोटों के रिकॉर्ड अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की है, जो टीएमसी उम्मीदवार के चुनाव से हटने के बाद एक अहम राजनीतिक उलटफेर है।

मार्को रुबियो कहा कि भारत-अमेरिका संबंध मजबूत आधार पर

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार को नई दिल्ली पहुंचे। उन्होंने अपनी पहली भारत यात्रा की शुरुआत कोलकाता में रुककर की, जहां उन्होंने मिशनरीज ऑफ चैरिटी के मुख्यालय और उससे जुड़े एक बाल गृह का दौरा किया। अपनी पत्नी जेनेट रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ, रुबियो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सहयोग और हिंद-प्रशांत रणनीति पर व्यापक चर्चा करेंगे। उनकी चार दिवसीय यात्रा, जिसमें आगरा और जयपुर भी शामिल हैं, 26 मई को होने वाली क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले हो रही है। रुबियो की कोलकाता यात्रा 14 वर्षों में किसी अमेरिकी विदेश मंत्री की शहर की पहली यात्रा थी। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि भारत-अमेरिका संबंध मजबूत आधार पर हैं।

अरविंद केजरीवाल ने एक खास अपील की बस सेवा को पूरी तरह मुफ्त कर दें

अरविंद केजरीवाल ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों से एक खास अपील की है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों समेत अन्य सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से कहा है कि वे अपने-अपने राज्यों में नीट की परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए सरकारी बस सेवा को पूरी तरह मुफ्त कर दें। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घोषणा की थी कि नीट देने वाले छात्रों को बस किराए में पूरी राहत दी जाएगी। केजरीवाल और भगवंत मान ने एक वीडियो शेयर कर यह जानकारी दी थी। पंजाब सरकार के इस फैसले के बाद अब हरियाणा और बिहार के मुख्यमंत्रियों ने भी अपने राज्यों में छात्रों के लिए मुफ्त बस सेवा का ऐलान कर दिया है।अरविंद केजरीवाल ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर करीब एक मिनट का एक वीडियो शेयर किया।इस वीडियो में उन्होंने सभी मुख्यमंत्रियों से हाथ जोड़कर अपील करते हुए कहा, "सभी मुख्यमंत्रियों से मेरी प्रार्थना है कि कृपया 21 जून को नीट की दोबारा परीक्षा देने वाले सभी छात्रों के लिए बस यात्रा पूरी तरह मुफ्त कर दें।" इस वीडियो में उन्होंने सभी मुख्यमंत्रियों से हाथ जोड़कर अपील करते हुए कहा, "सभी मुख्यमंत्रियों से मेरी प्रार्थना है कि कृपया 21 जून को नीट की दोबारा परीक्षा देने वाले सभी छात्रों के लिए बस यात्रा पूरी तरह मुफ्त कर दें।"

ईरान परमाणु हथियार नहीं चाहता

अमेरिका के साथ होने वाले शांति समझौते से पहले ही ईरान ने बड़ी घोषणा कर दी है। उसने साफ-साफ कह दिया है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। इसको लेकर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पूरी दुनिया के सामने भरोसा दिया है। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने आज साफ कहा कि उनका देश परमाणु हथियार नहीं बनाना चाहता। इस बयान के साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक कोशिशों में भी सकारात्मक खबरें आने लगी हैं। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा- हम दुनिया को आश्वासन देना चाहते हैं कि ईरान परमाणु हथियार नहीं चाहता। हम इलाके में अशांति भी नहीं फैलाना चाहते। V उन्होंने आरोप लगाया कि अशांति फैलाने वाला असल खिलाड़ी इजराइल है, जो 'ग्रेटर इजराइल' का सपना देख रहा है और हर मौके पर तनाव बढ़ाता रहता है। उन्होंने कहा कि ईरान के लोग पहले भी इस बात को दोहराते आए हैं और अब भी दोहरा रहे हैं। राष्ट्रपति ने अपनी सरकार की प्राथमिकता साफ की। उन्होंने कहा कि सरकार का सबसे महत्वपूर्ण काम लोगों

की रोजी-रोटी सुनिश्चित करना है। देश में चुनौतियां भले ही हों, लेकिन अधिकारी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऊर्जा और ईंधन के इस्तेमाल में बचत करें। पेजेश्कियन ने कहा- हम देश की इज्जत और गौरव के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। ईरान के राष्ट्रपति ने साफ किया कि कोई भी बड़ा फैसला सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के बाहर या सुप्रीम लीडर की अनुमति के बिना नहीं लिया जाएगा। उन्होंने आईआरआईबी के मैनेजर्स की बैठक में यह बात कही।इसी बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने संकेत दिया कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर कुछ अच्छी खबरें अगले कुछ घंटों में आ सकती हैं। रुबियो ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रुख बिल्कुल साफ है, ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं हासिल कर सकता।

100 मीटर दौड़ में बनाया नया नेशनल रिकॉर्ड

झारखंड की राजधानी रांची में आयोजित 2026 एथलेटिक्स फेडरेशन कप में धावक गुरिंदरवीर सिंह ने कमाल कर दिया। उन्होंने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ को महज 10.09 सेकंड में पूरा करके एक नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अपनी इस ऐतिहासिक जीत पर गुरिंदरवीर ने कहा, "यह बहुत अच्छा एहसास है। उम्मीद है कि मैं आगे भी अच्छी ट्रेनिंग करूंगा और भविष्य में और बेहतर नतीजे लाऊंगा।" उन्होंने मानसिक मजबूती को जीत की वजह बताते हुए कहा कि आखिरी पलों में खेल शारीरिक ताकत से ज्यादा मानसिक मजबूती का होता है और कल वह खुद को मानसिक रूप से मजबूत रख पाए, जिससे यह जीत मिली। अपनी पुरानी चुनौतियों को याद करते हुए गुरिंदरवीर ने बताया, "जब आप कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, तो लोग कहते हैं कि यह नहीं हो सकता।

तेज प्रताप यादव के बयान के बाद से सियासत फिर से गरमा गई

लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे एवं जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव रविवार को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर स्थित मां विंध्यवासिनी धाम पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद लिया। दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने राष्ट्रीय और प्रदेश की राजनीति से जुड़े कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। उत्तर प्रदेश की राजनीति पर बड़ा बयान देते हुए तेज प्रताप यादव ने कहा कि योगी आदित्यनाथ हैट्रिक मारेंगे। प्रदेश में 2027 में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। उनके इस बयान ने राजनीतिक समीकरणों को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। भाजपा के साथ संभावित गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, 'अगर मां की कृपा रही तो गठबंधन जरूर होगा।' उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि गठबंधन किस स्तर पर और किन परिस्थितियों में संभव हो सकता है। तेज प्रताप यादव के बयान के बाद से यूपी की सियासत एक बार फिर से गरमा गई है। यूपी में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। योगी आदित्यनाथ तीसरी बार सत्ता में काबिज होने के लिए चुनावी मैदान में रहेंगे तो अखिलेश यादव सत्ता में आने के लिए पूरा दमखम दिखाएंगे।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2-3)	फुल पेज (कवर 4-अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

हथियारों का बादशाह बनेगा भारत! राजनाथ सिंह का बड़ा दावा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शिरडी में कहा कि भारत अगले 25-30 वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बन सकता है। सरकार रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र, स्वदेशीकरण, नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर देश को रक्षा विनिर्माण केंद्र बनाने पर जोर दे रही है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि कोई भी शक्ति भारत को, जिसे कभी हथियारों का आयातक माना जाता था, अगले 25-30 वर्षों में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। शिरडी में गोला-बारूद निर्माण इकाई का उद्घाटन करने के बाद, सिंह ने कहा कि रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका को 50 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने आगे कहा कि निजी क्षेत्र रक्षा क्षेत्र में केवल पुर्जों का आपूर्तिकर्ता नहीं है, बल्कि अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का निर्माता भी है। सिंह ने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तभी देश नई ऊंचाइयों को छूता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत को हथियारों का आयातक माना जाता था, लेकिन अब कोई भी ताकत इसे अगले 25-30 वर्षों में सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तो देश नई ऊंचाइयों को छूता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को गोला-बारूद और स्वचालन का केंद्र बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। सिंह ने बताया कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासनकाल में पोटेशियम नाइट्रेट का उपयोग बारूद बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में किया जाता था, जिससे कंपनी ने अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि रक्षा उद्योग के मामले में भारत ने काफी प्रगति की है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हालांकि आयुध कारखाने स्वतंत्रता से पहले से मौजूद थे और रक्षा उद्योग देश में गहराई से जुड़ा हुआ है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद देश की पुरानी क्षमताओं और आधुनिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन नहीं बन पाया। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसका मुख्य कारण यह था कि निजी क्षेत्र को अवसर नहीं मिले और यह क्षेत्र रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों और आयुध कारखानों तक ही सीमित रह गया। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सूची दी, जिसमें नीतिगत सुधार और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का उदारीकरण शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने रणनीतिक साझेदारी मॉडल लागू किया है और 5,000 वस्तुओं की एक सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची तैयार की है, जिसके तहत सशस्त्र बलों के लिए इन वस्तुओं की खरीद भारत में ही अनिवार्य कर दी गई है। सिंह ने आगे कहा कि युवा नवप्रवर्तकों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। रक्षा विनिर्माण इकाई के बारे में सिंह ने कहा कि भारत के रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का एक सुनहरा अध्याय लिखा जा रहा है। इस कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उपस्थित थे।

10 दिनों में तीसरी बार बढ़े दाम, दिल्ली में ₹100 के करीब पहुंचा पेट्रोल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आ रहे भारी उतार-चढ़ाव का असर अब भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार (23 मई 2026) को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। इस ताजा संशोधन के बाद पेट्रोल के दाम में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल के दाम में 91 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। पिछले10 दिनों से भी कम समय में यह तीसरा मौका है जब ईंधन के दाम बढ़ाये गये हैं। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 87 पैसे बढ़कर 98.64 रुपये से 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल की कीमत 91 पैसे बढ़कर 91.58 रुपये से बढ़कर 92.49 रुपये हो गई है। पेट्रोल, डीजल के दाम में 15 मई के बाद से यह तीसरी बढ़ोतरी है। सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण बढ़ी ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे-धीरे उपभोक्ताओं पर डालना शुरू कर दिया है। पंद्रह मई को कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। उसके बाद 19 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम 90 पैसे लीटर बढ़ाये गये थे। कुल मिलाकर, ईंधन की कीमतों में लगभग 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। यह ताज़ा बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब मध्य पूर्व में चल रहे तनाव और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के कारण अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर बनी हुई हैं। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड वायदा 104 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चढ़ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 97 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा था। हालांकि दोनों बेंचमार्क साप्ताहिक नुकसान की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन कीमतों में लगातार भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, क्योंकि निवेशक बदलते भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

'वंदे मातरम्' की 150वीं जयंती पर दिल्ली में विशेष आयोजन

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती एवं दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में वंदे मातरम की 150वीं जयंती पर शनिवार को दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी, चांदनी चौक में 'वंदे मातरम् गाथा' विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। वंदे मातरम की गाथा अपनी जुबानी में सुप्रसिद्ध किस्सागो और चित्रकार भारती दीक्षित ने ओजपूर्ण भाव के साथ सुनाया। 'वंदे मातरम' गीत बंकिमचंद्र चटर्जी ने 1875 में लिखा।1882 में जब 'आनंद मठ' उपन्यास उन्होंने लिखा, इस गीत को उपन्यास में स्थान दिया गया। उपन्यास में संन्यासी भवानंद इस गीत को भाव में डूबकर गाता है। बाद में यह गीत संन्यासियों को राष्ट्र के प्रति समर्पण और निष्ठा से भर देता है। भारती दीक्षित ने इसके लिखे जाने से लेकर बाद में वंदे मातरम् से संबंधित जो भी महत्वपूर्ण घटनाएं घटीं– उन सबको समाहित कर किस्सागो रूप में प्रस्तुत किया। कैसे 1896 में कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में युवा कवि रवींद्रनाथ ठाकुर के सुमधुर कंठ के गान ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि रवींद्रनाथ ठाकुर द्वारा फिर से 1906 के कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में गाया गया और इसे राष्ट्रीय प्रसिद्धि मिली। बंगाल विभाजन के विरुद्ध यह जनता को एकीकृत करने का निमित्त बन गया। बंगाल से होते हुए 1907 में नागपुर और फिर 1907 में ही जर्मनी, फिर ब्रिटेन। अंग्रेज जितना ही इसे रोकने की कोशिश करते रहे, इस पर प्रतिबंध लगाते रहे, यह उतना ही प्रसिद्ध होता गया। भारती दीक्षित ने वंदे मातरम् के स्वतंत्रता संग्राम में महत्व से लेकर अब तक के इसके सफर को ओजपूर्ण भाव के साथ प्रस्तुत किया। दर्शक-श्रोता भाव में डूबे हुए सुनते रहे, समय का जैसे लोप हो गया था। 50 मिनट की प्रस्तुति ने लोगों को अपने में बांधे रखा। कार्यक्रम के प्रारंभ में अपने स्वागत वक्तव्य में इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के अध्यक्ष विनोद बब्बर ने वंदे मातरम की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि रावण पर विजय के पश्चात् जब विभीषण ने भगवान श्रीरामचंद्र से श्रीलंका में ही कुछ दिन रुकने का आग्रह किया तब उन्होंने कहा, 'जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है और मुझे अपनी जन्मभूमि की याद आ रही है इसलिए मुझे जाना होगा। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि भले ही वंदे मातरम् गीत बंकिमचंद्र चटर्जी ने लिखा है, लेकिन वंदे मातरम का भाव अथर्ववेद में "माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः" के रूप में सदियों से विद्यमान है।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ट्रंप की इमरजेंसी मीटिंग

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यू जर्सी का अपना मेमोरियल डे वीकेंड का दौरा अचानक रद्द कर दिया है। इस बेहद जरूरी फैसले की वजह से ट्रंप अपने बेटे डोनाल्ड जूनियर की शादी में भी शामिल नहीं हो पाएंगे। व्हाइट हाउस के मुताबिक, 'सरकारी और सुरक्षा मामलों' और खासकर ईरान की स्थिति को देखते हुए ट्रंप को अपना गोल्फ क्लब का ट्रिप छोड़कर तुरंत वाशिंगटन लौटना पड़ा है, जहां वे शीर्ष अधिकारियों के साथ हाई-लेवल बैठकें करेंगे। ट्रंप के इस कदम से साफ है कि अमेरिका इस संकट को लेकर इस वक्त कितने हाई अलर्ट पर है। सीबीएस और एक्जोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ व्हाइट हाउस में अहम बैठक की। बैठक में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ और चीफ ऑफ स्टाफ सूजी वाइल्स समेत कई बड़े अधिकारी मौजूद थे। सीबीएस और एक्सियोस की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ संभावित नई सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहा है, जिसके चलते सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने अपनी छुट्टियां रद्द कर दी हैं। ट्रंप रुकी हुई बातचीत से निराश हैं और बातचीत विफल होने की स्थिति में 'निर्णायक' अभियान पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने ईरान की परमाणु क्षमताओं पर अपनी सीमा रेखा दोहराई है, साथ ही सभी विकल्प खुले रखे हैं। अप्रैल की शुरुआत से लागू मौजूदा युद्धविराम, अमेरिका-ईरान-इजराइल के बीच छह सप्ताह के तीव्र संघर्ष के बाद हुआ है। पाकिस्तानी मध्यस्थों के माध्यम से अप्रत्यक्ष वार्ता से कोई सफलता नहीं मिली है, ईरान अप्रत्यक्ष चैनलों पर जोर दे रहा है जबकि अमेरिका प्रत्यक्ष वार्ता के लिए दबाव बना रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य एक संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, जहां से वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का 20% हिस्सा गुजरता है, और किसी भी व्यवधान से बाजारों में उथल-पुथल मच सकती है।

रूबियो के भारत दौरे पर ईरानी दूतावास की तीखी टिप्पणी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत पहुंचे, तो ईरान ने उन पर 'सभ्यता' वाली टिप्पणी करके तंज कसा। रूबियो शनिवार को भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए नई दिल्ली पहुंचे। दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को फिर से व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिनमें पिछले साल के मध्य से तनाव का सामना करना पड़ा है। ईरान के मुंबई वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में रूबियो के भारत आगमन पर उनके पोस्ट का हवाला देते हुए लिखा थोड़ा सीख लो यार... सभ्यता का क्रैश कोर्स" फ्री में मिल जाएगा! ईरान के दूतावास की एक पंक्ति वाली टिप्पणी को लेकर अभी भी अस्पष्टता बनी हुई है, लेकिन संभवतः यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अप्रैल की शुरुआत में की गई उस टिप्पणी का संदर्भ है, जिसमें उन्होंने धमकी देते हुए कहा था कि अगर ईरान शांति समझौते पर सहमत नहीं होता और होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता है, तो "एक पूरी सभ्यता आज रात नष्ट हो जाएगी। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि एक पूरी सभ्यता आज रात नष्ट हो जाएगी, जिसे फिर कभी पुनर्जीवित नहीं किया जा सकेगा। मैं ऐसा नहीं चाहता, लेकिन शायद ऐसा ही होगा। हालांकि, अब जब हमारे यहां पूर्ण और व्यापक सत्ता परिवर्तन हो चुका है, जहां अलग, अधिक बुद्धिमान और कम कट्टरपंथी सोच वाले लोग हावी हैं, तो शायद कुछ क्रांतिकारी और अद्भुत हो सकता है, कौन जानता है? हमें आज रात पता चल जाएगा, विश्व के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक। 47 वर्षों की जबरन वसूली, भ्रष्टाचार और मौत का अंततः अंत होगा। ईरान के महान लोगों पर ईश्वर की कृपा हो। इस टिप्पणी की कड़ी निंदा की गई, जिसे 'नरसंहार' तक कहा गया।

संपादक की कलम से

अंतरराष्ट्रीय संबंधों की मौजूदा दुनिया लगातार परिवर्तनशील शक्ति-संतुलन, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक गठबंधनों के दौर से गुजर रही है। वैश्वीकरण ने जहां देशों को आपस में अधिक जोड़ दिया है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय हितों की प्रतिस्पर्धा ने तनाव और अस्थिरता को भी बढ़ाया है। आज अंतरराष्ट्रीय संबंध केवल कूटनीति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि इसमें व्यापार, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु नीति और साइबर सुरक्षा जैसे आयाम भी समान रूप से महत्वपूर्ण हो गए हैं।वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में बहुध्रुवीयता (multipolarity) स्पष्ट रूप से उभर रही है। एक समय जहां दुनिया दो या एक प्रमुख शक्ति केंद्रों के इर्द-गिर्द घूमती थी, वहीं अब कई उभरती शक्तियां वैश्विक निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित कर रही हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों की बढ़ती भूमिका ने पारंपरिक शक्ति संरचना को चुनौती दी है। इस बदलाव ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक जटिल लेकिन अधिक प्रतिनिधिक भी बनाया है।हाल के वर्षों में बड़े शक्तिशाली देशों के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज हुई है। व्यापारिक प्रतिबंध, तकनीकी नियंत्रण और सैन्य गठबंधन इस प्रतिस्पर्धा के प्रमुख उपकरण बन गए हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण और महत्वपूर्ण संसाधनों तक पहुंच अब राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मानी जा रही है। इसके परिणामस्वरूप देशों के बीच सहयोग के साथ-साथ अविश्वास भी बढ़ा है।इसी बीच क्षेत्रीय संगठन और बहुपक्षीय संस्थाएं वैश्विक स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन और क्षेत्रीय मंच जैसे समूह संवाद और सहयोग का मंच प्रदान करते हैं, लेकिन कई बार इनकी प्रभावशीलता पर भी सवाल उठते हैं। बदलते हालात में इन संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे नई वैश्विक चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर सकें।भारत जैसे देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों का यह बदलता परिदृश्य अवसर और चुनौती दोनों प्रस्तुत करता है। एक ओर भारत अपनी आर्थिक वृद्धि और रणनीतिक स्थिति के कारण वैश्विक मंच पर अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, वहीं दूसरी ओर उसे संतुलित विदेश नीति बनाए रखने की आवश्यकता है। विभिन्न शक्ति केंद्रों के बीच संतुलन बनाते हुए राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना एक जटिल कार्य है।ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और तकनीकी सहयोग जैसे मुद्दे अब देशों को एक-दूसरे के साथ सहयोग करने के लिए मजबूर कर रहे हैं। कोई भी देश अकेले इन वैश्विक समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता। इसलिए सहयोग और प्रतिस्पर्धा का मिश्रण ही आधुनिक अंतरराष्ट्रीय संबंधों की वास्तविकता बन चुका है।साथ ही, डिजिटल युग ने कूटनीति के स्वरूप को भी बदल दिया है। सोशल मीडिया, साइबर हमले और सूचना युद्ध ने देशों के बीच संवाद और संघर्ष दोनों के नए आयाम खोल दिए हैं। अब कूटनीति केवल बंद कमरों की बातचीत नहीं रही, बल्कि यह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा भी बन गई है।

पंजाब भाजपा में बड़ा बदलाव तय!

सिख चेहरे पर दांव लगाने की तैयारी

पंजाब भाजपा 2027 चुनावों को देखते हुए नया प्रदेश अध्यक्ष सिख चेहरे को बनाने पर विचार कर रही है। रवनीत बिट्टू, मनप्रीत बादल समेत कई नाम चर्चा में हैं। पार्टी संगठन मजबूत करने और स्थानीय समर्थन बढ़ाने की रणनीति अपना रही है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब भाजपा में आगामी संगठनात्मक बदलावों को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ का तीन वर्षीय कार्यकाल जुलाई में समाप्त होने जा रहा है, जिसके बाद पार्टी 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए नए नेतृत्व की तलाश में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा इस बार प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए किसी सिख चेहरे को प्राथमिकता दे सकती है, ताकि राज्य की राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप अपनी पकड़ मजबूत की जा सके।भाजपा नेतृत्व का मानना है कि पंजाब की राजनीति में सिख समुदाय की निर्णायक भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसे में पार्टी एक ऐसे चेहरे की तलाश में है, जो न केवल संगठन को मजबूत कर सके बल्कि राज्य में भाजपा की स्वीकार्यता भी बढ़ा सके। इस संदर्भ में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल के नाम सबसे प्रमुख दावेदारों में माने जा रहे हैं।रवनीत सिंह बिट्टू पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं और हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। वहीं, मनप्रीत सिंह बादल शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के चचेरे भाई हैं और पंजाब की राजनीति में उनका लंबा अनुभव रहा है। दोनों नेताओं को सिख समुदाय में प्रभावशाली माना जाता है, जिससे भाजपा को आगामी चुनावों में राजनीतिक लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है।इसके अलावा भाजपा जिन अन्य नेताओं के नामों पर विचार कर रही है, उनमें पूर्व नौकरशाह से राजनेता बने जगमोहन सिंह राजू, कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए केवल ढिल्लों, वरिष्ठ भाजपा नेता मनजीत सिंह राय, राज्यसभा सांसद और चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति सतनाम संधू, पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी तथा पूर्व विधायक फतेह जंग सिंह बाजवा शामिल हैं। राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, जो हाल के दिनों में लगातार पंजाब का दौरा कर रहे हैं और पार्टी के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं, वे भी सिख चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के पक्ष में हैं। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि पंजाब में पार्टी की छवि अभी भी एक "बाहरी" दल के रूप में देखी जाती है, जिसे बदलने के लिए स्थानीय और प्रभावशाली सिख नेतृत्व की आवश्यकता है।भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर कहा कि पार्टी पारंपरिक रूप से हिंदू मतदाताओं के आधार पर आगे बढ़ी है, लेकिन पंजाब की परिस्थितियां अलग हैं। यहां सिख नेतृत्व का राजनीतिक महत्व अत्यधिक है और राज्य में हमेशा से सिख मुख्यमंत्री ही रहे हैं। ऐसे में यदि भाजपा को भविष्य में सत्ता की दौड़ में गंभीर दावेदार बनना है, तो उसे राज्य की सामाजिक संरचना के अनुरूप रणनीति बनानी होगी।हालांकि, हिंदू नेताओं के नाम भी पूरी तरह से चर्चा से बाहर नहीं हुए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ का नाम भी संभावित दावेदारों में लिया जा रहा है। तरुण चुघ लंबे समय से पंजाब भाजपा के संगठनात्मक मामलों से जुड़े रहे हैं और केंद्रीय नेतृत्व के भरोसेमंद नेताओं में उनकी गिनती होती है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा पंजाब में अपनी संगठनात्मक रणनीति को नए सिरे से तैयार कर रही है। 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी ऐसा नेतृत्व सामने लाना चाहती है, जो सिख और हिंदू दोनों समुदायों के बीच संतुलन बनाकर भाजपा को राज्य में मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित कर सके।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने फैसले का किया स्वागत

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की विभिन्न ईदगाह और कब्रिस्तान कमेटियों के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें मुस्लिम समुदाय से आगामी ईद-उल-अजहा यानी बकरीद के दौरान गो-वध न करने की अपील की गई है। मुख्यमंत्री सरमा ने इसे राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक-धार्मिक ताने-बाने को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, "मैं असम के बहुसंख्यक सनातन समुदाय की भावनाओं का सम्मान करने के इस प्रयास का स्वागत करता हूं। ऐसे स्वैच्छिक कदम राज्य में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव के माहौल को और मजबूत करेंगे। मुझे उम्मीद है कि अन्य कमेटियां भी इस तरह की अपील जारी करेंगी। मैं सभी ईद कमेटियों से आगे आने और इस ईद को 'गो-वध मुक्त' बनाने का आह्वान करता हूं।" धुबरी टाउन ईदगाह कमेटी की ओर से 23 मई को जारी एक आधिकारिक नोटिस में राज्य के कड़े कानूनों का हवाला देते हुए कहा गया है कि यह प्रतिबंध किसी भी तरह से धार्मिक दायित्वों का उल्लंघन नहीं करता है। कमेटी के बयान में कहा गया है, "असम सरकार ने पहले ही पशु संरक्षण अधिनियम लागू कर दिया है। इस कानून के प्रावधानों के तहत गायों की कुर्बानी देना कानूनी रूप से प्रतिबंधित है।" कमेटी ने नागरिकों को चेतावनी दी कि उल्लंघन करने पर गैर-जमानती आरोप लग सकते हैं, जिनमें कम से कम तीन साल से लेकर अधिकतम सात साल तक की कैद और भारी जुर्माना हो सकता है। धार्मिक पहलू पर बात करते हुए कमेटी ने स्पष्ट किया कि इस्लाम में गाय की कुर्बानी देना किसी भी तरह से अनिवार्य नहीं है। असम में परिवारों के लिए गाय परंपरागत रूप से एक आसानी से उपलब्ध विकल्प रही है, लेकिन इस्लामी कानून स्पष्ट रूप से वैकल्पिक हलाल (अनुमत) जानवरों की कुर्बानी की अनुमति देता है।

टीवीके सरकार को समर्थन पर वीसीके प्रमुख थिरुमावलवन का बड़ा बयान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) के नेता थोल. थिरुमावलवन ने टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने के अपनी पार्टी के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम व्यापक आंतरिक विचार-विमर्श के बाद स्वतंत्र रूप से लिया गया था। इस फैसले पर हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए थिरुमावलवन ने कहा कि चुनावी फैसले राजनीतिक परिस्थितियों के आधार पर लिए जाते हैं और याद दिलाया कि वीसीके पहले डीएमके और वामपंथी दलों के साथ गठबंधन में रह चुकी है। उन्होंने कहा कि मैंने चुनाव से पहले पार्टी को मजबूत करने के लिए काम किया है। मुझ पर पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाने के कई दुर्भावनापूर्ण प्रयास किए गए हैं। मैंने ऐसा एक बार भी नहीं किया है और अपने कार्यों से इसे साबित भी किया है। थिरुमावलवन ने कहा कि उन्होंने पहले तो यही कहा था कि वीसीके सिर्फ सरकार गठन का समर्थन करेगी और मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होगी। हालांकि, उन्होंने बताया कि टीवीके द्वारा निमंत्रण दिए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन पर अपना रुख बदलने का दबाव डाला। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का हिस्सा बनने का फैसला हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं का था। मेरे पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुझे व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर मुझसे इस फैसले पर पुनर्विचार करने और टीवीके के मंत्रिमंडल में शामिल होने के निमंत्रण को स्वीकार करने का अनुरोध किया। वीसीके प्रमुख ने बताया कि पार्टी ने फैसला लेने से पहले दो घंटे से अधिक समय तक आंतरिक चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि बैठक के निष्कर्ष औपचारिक घोषणा से पहले डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन को बता दिए गए थे। हमने अपनी आंतरिक बैठक में इस पर दो घंटे से अधिक समय तक चर्चा की। फिर हमने गठबंधन के नेता एम.के. स्टालिन को इसकी जानकारी दी और समझाया। हमने इसके बाद औपचारिक घोषणा करने का निर्णय लिया।

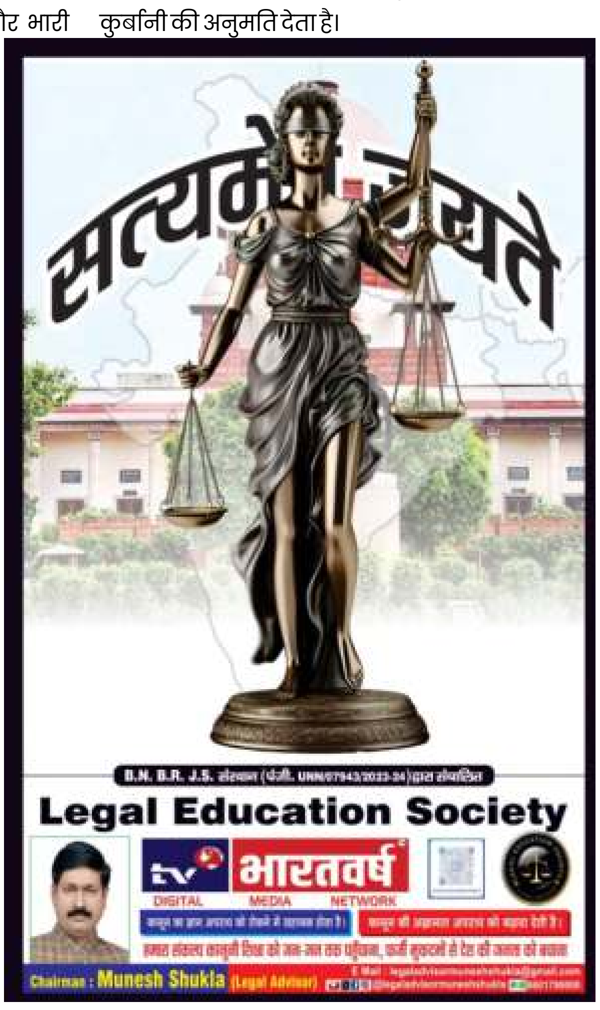

PM Internship 2026: फ्रेशर्स के लिए सुनहरा मौका

इंटर्नशिप के साथ मिलेगा ₹9000 स्टाइपेंड

आज के समय में नए ग्रेजुएट्स और फ्रेशर्स के लिए नौकरी मिलना आसान नहीं रहा है. कई बार लाख कोशिशों के बाद भी रिज्यूम भेजने पर कंपनियों से कोई रिस्पॉन्स नहीं मिलता है. ऐसे में अगर आप भी ऐसे ही परेशानी का सामना कर रहे हैं और अपने करियर की शुरुआत करने का सही मौका ढूंढ रहे हैं, तो प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम (PM Internship 2026) आपके लिए एक शानदार अवसर हो सकता है. इस स्कीम के जरिए आप देश की प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित कंपनियों में काम करके अच्छा और प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस हासिल कर सकते हैं. साथ ही इस दौरान आपको हर महीने 9000 का स्टाइपेंड भी मिलेगा, जो आपकी पढ़ाई और खर्चों में मदद करेगा. प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम (P M Internship Scheme) एक सरकारी पहल है, जो भारत के युवा फ्रेशर्स को प्रोफेशनल एक्सपीरियंस और ट्रेनिंग देने के लिए बनाई गई है. इस इंटर्नशिप में आप बड़ी और अच्छी कंपनियों में काम करके अपने स्किल्स को मजबूत कर सकते हैं. इसकी मदद से देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में काम करने का मौका और असली काम का एक्सपीरियंस मिलता है. साथ ही हर महीने स्टाइपेंड और भविष्य में नौकरी पाने में मदद भी मिलती है. इंटर्नशिप में आवेदन करने के लिए कुछ नियम हैं, जिन्हें पूरा करना जरूरी है. जिसमें आवेदक भारत के नागरिक होना चाहिए. विदेशी छात्र आवेदन नहीं कर सकते हैं. इसके अलावा 10वीं या 12वीं पास, ITI / पॉलिटेक्निक डिप्लोमा, ग्रेजुएट (BA, BSc, BCom, BBA, B-Pharma, BE/BTech), पोस्ट ग्रेजुएट (MA, MSc, MCom, MTech), ऑनलाइन या डिस्टेंस लर्निंग से डिग्री पूरी करने वाले भी आवेदन कर सकते हैं. साथ ही इसमें एज लिमिट 18 से 25 वर्ष के बीच है. इस इंटर्नशिप का समय कंपनियों की जरूरत के अनुसार 6 महीने या 9 महीने हो सकती है. साथ ही इसमें मासिक स्टाइपेंड 9000 है. कुछ कंपनियां अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दे सकती हैं. हर कंपनी की इंटर्नशिप के लिए अलग- अलग आवेदन की लास्ट डेट होती है. जैसे हिंदुस्तान पेट्रोलियम में इंटर्नशिप के लिए 22 मई तक अप्लाई किया जा सकता है. अशोका लेलैंड में 8 मई इंटर्नशिप रजिस्ट्रेशन की लास्ट है और सेल की 22 मई 2026 है. सभी डिटेल्स और लास्ट डेट की जानकारी आप ऑफिशियल वेबसाइट pminternship.mca.gov.in पर जाकर देख सकते हैं. पीएम इंटर्नशिप 2026 के लिए आवेदन कैसे करें?

1. इंटर्नशिप में आवेदन करने के लिए ऑफिशियल वेबसाइट pminternship.mca.gov.in पर जाएं.

2. इसके बाद Featured Internship पर क्लिक करें, यहां आपको सभी कंपनियों की लिस्ट दिखेगी.

3. अब View Details पर क्लिक करें और जिस कंपनी में आवेदन करना है, उसका चयन करें.

4. आप अब Apply Now ऑप्शन पर क्लिक करें, अगर आप पहले से रजिस्टर्ड हैं, तो लॉगिन करें और नए यूजर मोबाइल नंबर के जरिए रजिस्ट्रेशन करें.

5. इसके अपना फॉर्म भरें, जरूरी जानकारी जैसे नाम, माता-पिता का नाम, शैक्षणिक जानकारी, उम्र, श्रेणी, मार्क्स, पता सही से भरें, साथ ही फोटो और साइन अपलोड करें.

6. लास्ट में सभी जानकारी सही होने के बाद फॉर्म सबमिट करें.

आईपीएल 2026 इतिहास का सबसे ज्यादा शतकों वाला सीजन बन जाएगा

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का 19वां सीजन इस समय अपने सबसे रोमांचक मोड़ पर है। जहां एक तरफ प्लेऑफ की जंग चल रही है, वहीं दूसरी तरफ बल्लेबाजी का एक ऐसा महा-रिकॉर्ड टूटने जा रहा है जो आईपीएल के इतिहास को हमेशा के लिए बदल देगा। इस सीजन में चौके-छक्कों की ऐसी बरसात हुई है कि आईपीएल 2026 अब सर्वकालिक महान रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक शतक दूर है। आईपीएल 2026 के इस सीजन में अब तक कुल 14 व्यक्तिगत शतक लग चुके हैं। इसी के साथ इस सीजन ने साल 2024 के सबसे ज्यादा 14 शतकों के ऑल-टाइम रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब टूर्नामेंट में 6 मुकाबले (लीग स्टेज के आखिरी मैच और प्लेऑफ) बाकी हैं। इन बचे हुए मैचों में अगर किसी भी बल्लेबाज के बल्ले से सिर्फ 1 शतक और निकल जाता है, तो आईपीएल 2026 इतिहास का सबसे ज्यादा शतकों वाला सीजन बन जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि साल 2024 में भी 14 शतक लगे थे, लेकिन तब 13 बल्लेबाजों ने मिलकर यह कारनामा किया था (जोस बटलर ने 2 शतक लगाए थे)। इस बार आईपीएल 2026 में भी अब तक 13 बल्लेबाजों ने ही 14 शतक लगाए हैं, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन ने अकेले दो शतक जड़े हैं। अगर बचे हुए 6 मैचों में कोई ऐसा बल्लेबाज शतक लगा देता है जिसने इस सीजन अब तक शतक नहीं लगाया है, तो एक और अनोखा रिकॉर्ड बन जाएगा। इतिहास में पहली बार किसी एक सीजन में 14 अलग-अलग बल्लेबाज सेंचुरी लगाने का कारनामा करेंगे।आईपीएल 2026 में चेन्नई के संजू सैमसन (2 शतक) के अलावा साई सुदर्शन, वैभव सूर्यवंशी, मिचेल मार्श, अभिषेक शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, कूपर कोनोली, रियान रिकेल्टन, तिलक वर्मा, क्विंटन डिकॉक और फिन एलेन जैसे बल्लेबाजों ने अपनी सेंचुरी से गदर मचाया है।

बेटे की गेंदबाजी देख गर्व से चौड़ा हुआ पिता सचिन का सीना

वर्ल्ड क्रिकेट का पावरहाउस बनाने का बड़ा दावा

अपने इंटरनेशनल करियर के लगभग 20 साल पूरे करने के बाद, पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम बिल्कुल सही दिशा में आगे बढ़ रही है। चाहे वो टीम के नतीजे हों या खिलाड़ियों की सोच, दोनों में कमाल का बदलाव आया है। मुंबई इंडियंस (MI) के 'ESA डे' इवेंट में बात करते हुए रोहित ने एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि वह भारत को वर्ल्ड क्रिकेट का पावरहाउस (सबसे मजबूत ताकत) बनते देखना चाहते हैं और टीम पहले से ही उस मुकाम के बेहद करीब है। रोहित शर्मा ने कहा कि पिछले तीन सालों में भारतीय क्रिकेट ने जो हासिल किया है, वो देखना बेहद शानदार रहा है। चाहे 2024 का वर्ल्ड कप हो, वीमेन्स वर्ल्ड कप, अंडर-19 वर्ल्ड कप, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी या फिर टी20 वर्ल्ड कप, हर जगह भारत का दबदबा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम इंडिया की यह जीत का सिलसिला आगे भी ऐसे ही जारी रहेगा। रोहित ने खेल में आए बड़े बदलावों पर भी बात की। उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, 'जब हमने शुरुआत की थी, तब टी20 में 130-140 का स्कोर अच्छा माना जाता था। लेकिन आज के समय में कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं लगता।' रोहित के मुताबिक, आज के दौर के खिलाड़ी बेहद निडर और खुले दिमाग के हो गए हैं। वे मैदान पर रक्षात्मक होने के बजाय आगे बढ़कर शॉट खेलने से नहीं डरते, जो क्रिकेट के भविष्य के लिए एक बेहतरीन संकेत है। अगली पीढ़ी के क्रिकेटर्स को लेकर रोहित ने एक जरूरी सलाह दी। उन्होंने कहा कि 6 से 18 साल तक के बच्चों पर शुरुआत से ही उम्मीदों का भारी दबाव नहीं डालना चाहिए। बच्चों को सिर्फ खेल का मजा लेना चाहिए और अपने दोस्तों के साथ खुलकर खेलना चाहिए। रोहित ने कहा, 'मेरी शुरुआत भी ऐसे ही हुई थी। कोई भी आपको कुछ करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता।'

रचिन रविंद्र टीम की तैयारियों के लिए स्वदेश लौट गए

न्यूजीलैंड के स्टार खिलाड़ी रचिन रविंद्र, जो कोलकाता नाइट राइडर्स की आईपीएल 2026 टीम का हिस्सा हैं, ने अपने बचे हुए तीन लीग मैचों से पहले कोलकाता स्थित फ्रेंचाइजी को छोड़ दिया है। शुक्रवार (15 मई) को केकेआर के आधिकारिक फेसबुक हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो में, रचिन को न्यूजीलैंड रवाना होने से पहले अपने साथियों से मिलते हुए देखा जा सकता है। वीडियो पोस्ट के कैप्शन में फ्रेंचाइजी द्वारा साझा की गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, रचिन राष्ट्रीय टीम की तैयारियों के लिए घर लौट रहे हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा गया कि रचिन को राष्ट्रीय टीम की तैयारियों के लिए घर लौटने पर नाइट्स की ओर से शुभकामनाएं। न्यूजीलैंड अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए तैयार है। सीरीज का पहला मैच 4 से 8 जून तक लंदन के लॉर्ड्स में खेला जाएगा, और अगले दो टेस्ट मैच ओवल (17-21 जून) और ट्रेंट ब्रिज (25-29 जून) में होंगे। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल खेल चुके रचिन न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, जिसकी कप्तानी टॉम लैथम करेंगे। हालांकि आईपीएल के मौजूदा सीजन में रचिन को केकेआर के लिए एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन वे न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम के अहम सदस्य हैं और लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड की टीम में उनका प्लेइंग इलेवन में होना तय है।

पथिराना की एक गेंद की कीमत केकेआर को 2 करोड़ 25 लाख रुपये की पड़ी

आईपीएल 2026 सीजन को लेकर पिछले साल दिसंबर महीने के दौरान हुए प्लेयर ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने मथीशा पथिराना को अपना हिस्सा बनाने के लिए पर्स से 18 करोड़ रुपये खर्च कर दिए थे। केकेआर को उस समय उम्मीद थी कि पथिराना उनके लिए इस सीजन गेंदबाजी में अहम भूमिका निभाएंगे लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं दिखा और उन्होंने काफी तगड़ा चूना फ्रेंचाइजी को लगाया है। मथीशा पथिराना को इस सीजन केकेआर की तरफ से एक मुकाबला खेलने का मौका मिला जिसमें उन्होंने 16 मई को गुजरात टाइटंस के खिलाफ ये मैच खेला था और उसमें उन्होंने सिर्फ 8 गेंदें फेंकी और हैमस्ट्रिंग में दिक्कत होने की वजह से वापस पवेलियन लौट गए थे। अब पथिराना के इस सीजन से बाहर होने के साथ उनकी एक गेंद की कीमत आईपीएल 2026 में देखी जाए तो वह कोलकाता नाइट राइडर्स को 2 करोड़ 25 लाख रुपये की पड़ी है। मथीशा पथिराना के बाहर होने के साथ आईपीएल की तरफ से जारी की गई आधिकारिक जानकारी में बताया गया कि उनकी जगह पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने लवनीथ सिसोदिया को अपना हिस्सा बनाया है जो 30 लाख रुपये केकेआर के साथ जुड़े हैं। लवनीथ सिसोदिया को लेकर बात की जाए तो यह विकेटकीपर बल्लेबाजी पहले भी केकेआर का हिस्सा रहा है और इसके अलावा आरसीबी के साथ भी जुड़े रहे हैं। लवनीथ घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक की तरफ से खेलते हैं जिसमें उन्होंने अब तक 15 टी20 मैच खेले हैं और उसमें कुल 124 रन बना चुके हैं।

बच्चों की तरह पालतू डॉग्स की देखभाल

कुत्ते की केयर पर हर महीने 8 लाख की सैलरी

दुनियाभर में पालतू जानवरों को लेकर लोगों का प्यार लगातार बढ़ता जा रहा है. खासकर अमीर परिवार अब अपने डॉग्स की देखभाल पर लाखों रुपये खर्च करने लगे हैं. हाल ही में एक रिपोर्ट में सामने आया कि अमेरिका और यूरोप के कई रईस लोग अपने पालतू कुत्तों की देखभाल के लिए प्रोफेशनल डॉग नैनी रख रहे हैं, जिन्हें हर हफ्ते करीब 2.4 लाख रुपये तक दिए जा रहे हैं.

डॉग नैनी का काम सिर्फ कुत्ते को खाना खिलाना नहीं होता, ये लोग पालतू जानवरों के साथ पूरा समय बिताते हैं, उन्हें घुमाने ले जाते हैं, खेलते हैं, उनकी हेल्थ और रूटीन का ध्यान रखते हैं और कई बार उनके साथ ही रहते भी हैं. अमीर परिवार अपने पालतू जानवरों को परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं, इसलिए वे उनकी देखभाल में किसी तरह की कमी नहीं चाहते. डॉग नैनी एक तरह का प्रोफेशनल पेट केयरगिवर होता है, जिस तरह छोटे बच्चों की देखभाल के लिए नैनी रखी जाती है.

'कॉकरोच जनता पार्टी' का जबर्दस्त क्रेज

लोग टी-शर्ट पर लगाने लगे CJP के स्टीकर

सोशल मीडिया की दुनिया में कब क्या वायरल हो जाए, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है. कभी कोई डांस ट्रेंड लोगों का ध्यान खींच लेता है तो कभी कोई अजीब मीम इंटरनेट पर छा जाता है. इन दिनों सोशल मीडिया पर एक नया और बेहद अजीब ट्रेंड तेजी से वायरल हो रहा है, जिसका नाम है- 'कॉकरोच जनता पार्टी'. हैरानी की बात यह है कि लोग अब कॉकरोच की तस्वीर वाले स्टीकर और डिजाइन अपनी टी-शर्ट, मोबाइल कवर और बैग पर लगाने लगे हैं.

पहली नजर में यह ट्रेंड थोड़ा मजाकिया लगता है, लेकिन इंटरनेट पर इसे लेकर लोगों के बीच जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है. इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स पर हजारों लोग 'कॉकरोच जनता पार्टी' से जुड़े मीम्स और पोस्ट शेयर कर रहे हैं. दरअसल, यह ट्रेंड एक मजाकिया इंटरनेट मीम से शुरू हुआ. कुछ कंटेंट क्रिएटर्स ने कॉकरोच को लेकर फनी वीडियो और पोस्ट बनाना शुरू किया, जिसमें उसे हर परिस्थिति में जिंदा रहने वाला जीव बताकर मजेदार अंदाज में पेश किया गया. धीरे-धीरे लोगों ने इसे एक काल्पनिक जनता पार्टी का रूप दे दिया. इसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने कॉकरोच की फोटो वाले पोस्टर, स्टीकर और एडिटेड फोटो बनाकर शेयर करना शुरू कर दिया. देखते ही देखते यह ट्रेंड वायरल हो गया. अब यह ट्रेंड सिर्फ इंटरनेट तक सीमित नहीं रहा.

चीन की 'डार्क फैक्ट्रियों' में रोबोट्स संभाल रहे कमान

मशीनों ने छीनी मजदूरों की जगह

चीन में ऐसी हाई-टेक 'डार्क फैक्ट्रियां' तेजी से बढ़ रही हैं, जहां ज्यादातर काम इंसानों की जगह मशीनें और रोबोट करते हैं. ये फैक्ट्रियां 24 घंटे लगातार काम कर सकती हैं और इनमें AI आधारित सिस्टम सामान बनाने से लेकर पैकिंग और क्वालिटी चेक करने तक का काम संभालते हैं.

दुनियाभर में टेक्नोलॉजी तेजी से बदल रही है. अब कई ऐसे काम, जिन्हें पहले इंसान किया करते थे, मशीनें और रोबोट करने लगे हैं. चीन इस मामले में सबसे आगे माना जा रहा है. यहां अब ऐसी फैक्ट्रियां तैयार हो रही हैं, जहां इंसानों की जरूरत बहुत कम पड़ती है. इन्हें 'डार्क फैक्ट्री' कहा जाता है. हर दिन दुनिया भर में करोड़ों सामान फैक्ट्रियों में तैयार किए जाते हैं.

पहले इन फैक्ट्रियों में हजारों मजदूर काम करते थे, लेकिन अब चीन की कई कंपनियां ऐसे सिस्टम पर काम कर रही हैं, जहां ज्यादातर काम मशीनें खुद करती हैं. यही वजह है कि इन फैक्ट्रियों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है. डार्क फैक्ट्री ऐसी फैक्ट्री होती है, जहां काम लगभग पूरी तरह मशीनों और रोबोट्स के जरिए किया जाता है. यहां इंसानों की मौजूदगी बहुत कम होती है. कई जगह तो रोशनी की भी ज्यादा जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि मशीनों को इंसानों की तरह देखने के लिए लाइट की जरूरत नहीं होती. इसी कारण इन्हें 'डार्क फैक्ट्री' कहा जाता है. इन फैक्ट्रियों में रोबोट सामान बनाते हैं, पैकिंग करते हैं और एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम भी खुद करते हैं.

क्यों बढ़ रहा है यह ट्रेंड?

विशेषज्ञों के मुताबिक, चीन में मजदूरों की लागत लगातार बढ़ रही है. ऐसे में कंपनियां खर्च कम करने के लिए ऑटोमेशन और रोबोट्स का इस्तेमाल बढ़ा रही हैं. इसके अलावा टेक्नोलॉजी में तेजी से हो रही प्रगति भी इसका बड़ा कारण है. AI, स्मार्ट मशीनें और ऑटोमेटेड सिस्टम अब पहले से ज्यादा तेज और सटीक तरीके से काम कर रहे हैं.

सोशल मीडिया पर छिड़ी वर्क कल्चर की बहस

बेहतर जिंदगी आखिर कहां है- भारत में या यूरोप में? ये सवाल आजकल बहुत से भारतीय प्रोफेशनल्स को परेशान किए रहता है.कुछ दिन पहले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर तनुज ने इस बहस को फिर से जोरदार तरीके से छेड़ दिया. तनुज पहले जर्मनी में काम कर रहे थे, अब वापस बेंगलुरु शिफ्ट हो गए हैं. उन्होंने X पर अपनी दोनों जिंदगियों की तुलना करते हुए पोस्ट डाली, और कमेंट्स में आग लग गई. तनुज लिखते हैं कि जर्मनी में उनका रूटीन बेहद शांत और सिस्टेमैटिक था.

दो प्रेमिकाएं, दो प्रेग्नेंसी और वरुण धवन की डबल मुसीबत! रिलीज हुआ 'है जवानी तो इश्क़ होना है' का धमाकेदार ट्रेलर

बॉलीवुड के मशहूर निर्देशक डेविड धवन एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए अपनी नई मनोरंजक सवारी के साथ तैयार हैं। उनकी आगामी आउट-एंड-आउट 'ब्रेन-रॉट' कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'है जवानी तो इश्क़ होना है' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर शनिवार (23 मई 2026) को आधिकारिक तौर पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। विदित हो कि यह ट्रेलर पहले 21 मई को रिलीज होने वाला था, लेकिन कुछ अपरिहार्य कारणों से इसमें देरी हुई और आखिरकार मेकर्स ने आज इसे दर्शकों के सामने पेश कर दिया है। ट्रेलर में वरुण को मृणाल और पूजा के बीच फंसा हुआ दिखाया गया है। तो चलिए देखते हैं कि इस ट्रेलर में क्या है। यह 3 मिनट 15 सेकंड का ट्रेलर फ़िल्म की पूरी कहानी की काफ़ी अच्छी झलक दिखाता है। ट्रेलर की शुरुआत में मृणाल (बानी) और वरुण कोर्ट में अपने तलाक़ की कार्यवाही के लिए खड़े नज़र आते हैं, मृणाल, जो वरुण की पत्नी का किरदार निभा रही हैं, बताती हैं कि वरुण बच्चा चाहते हैं। इसके

प्रेमि तौर एं व

पर ट्री रुण पूरी प्यार में पड़

बा द, पूजा हेगड़े (प्रीत) वरुण की नई का के

करती हैं। जैसे ही तरह से पूजा के जाते हैं, मृणाल

वापस आकर बताती हैं कि वह प्रेग्नेंट है, और यह बच्चा वरुण का ही है। ठीक उसी समय, पूजा भी वरुण को बताती है कि वह भी प्रेग्नेंट है। यहीं से कहानी में असली हंगामा शुरू होता है, क्योंकि वरुण का किरदार एक तरफ़ मृणाल (बानी) और उसके होने वाले बच्चे की देखभाल में जुट जाता है, तो वहीं दूसरी तरफ़ उसे पूजा हेगड़े (प्रीत) और उसके होने वाले बच्चे का भी ख़्याल रखना पड़ता है। ट्रेलर में फ़िल्म के सहायक कलाकारों की भी झलक मिलती है, जिनमें मौनी रॉय, जिमी शेरगिल, मनीष पॉल, चंकी पांडे, राकेश बेदी और अली असगर जैसे सितारे शामिल हैं। जिमी शेरगिल ने पूजा हेगड़े के भाई का किरदार निभाया है। एक चौंकाने वाला ट्विस्ट यह है कि मौनी रॉय वरुण धवन की 'नकली माँ' के रूप में नज़र आती हैं। मनीष पॉल एक बार फिर वरुण धवन के दोस्त की भूमिका में नज़र आएंगे, जबकि राकेश बेदी—जिन्होंने हाल ही में 'धुरंधर' में अपने अभिनय के लिए सुर्खियां बटोरी थीं—भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। डेविड धवन द्वारा निर्देशित फिल्म 'है जवानी तो इश्क़ होना है' 5 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

यूपी में आसमान से बरस रही आग

नौतपा से पहले ही हालात बेकाबू

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और लू ने लोगों का जनजीवन बेहाल कर दिया है। बांदा में तापमान 46.2 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि प्रयागराज, झांसी और वाराणसी समेत कई जिलों में पारा 44 डिग्री के पार दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, हालांकि छह दिन बाद हल्की बारिश से राहत मिलने की संभावना जताई गई है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

भीषण गर्मी से तप रहे लोगों को शनिवार को अवध और एनसीआर के कुछ जिलों में आंधी-बारिश से भी राहत नहीं मिली। बुंदेलखंड सहित तमाम जिलों में सूरज के तेवर तल्ख रहे। तपिश और लू के थपेड़ों ने लोगों को परेशान किया। बांदा अभी भी सबसे गर्म बना हुआ है। शनिवार को यहां अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार से नौतपा शुरू हो रहा है, जिससे कम से कम अगले छह दिनों तक आसमान से आग बरसने और झुलसा देने वाली पछुआ हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार छह दिन बार बारिश से कुछ राहत मिल सकती है। अवध के जिलों में शनिवार को मौसम के बदले रंग रहे। अयोध्या, बाराबंकी और गाेंडा में दोपहर बाद आंधी से कई खंभे गिर गए। पेड़ उखड़ गए। बाराबंकी में आंधी के साथ बारिश भी हुई। वहीं, लखनऊ, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली, सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती व अमेठी में लोग गर्मी से बचाव के उपाय करते नजर आए। प्रयागराज में पारा 46 डिग्री, झांसी में 44.9, वाराणसी में 44.7, हमीरपुर में 44.6 और सुल्तानपुर में 44.4 डिग्री दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, प्रदेश में कोई भी सक्रिय मौसम तंत्र न होने से शुष्क और साफ मौसम के आसार हैं। प्रदेश में आगामी एक सप्ताह के दौरान कुछ स्थानों पर लू का असर बढ़ेगा। कहीं-कहीं रातें भी गर्म होने की संभावना है। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आगामी तीन दिनों के लिए रेड अलर्ट और उसके बाद ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है। इसके अलावा छह दिन बाद प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है जिससे तापमान में गिरावट महसूस होगी। इसके अलावा पंजाब से दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान तक विस्तृत द्रोणी के प्रभाव से प्रदेश के पश्चिमी भाग में कहीं कहीं मेघगर्जन या वज्रपात के साथ झोंकेदार हवा और छिटपुट बारिश की संभावना भी है। उन्होंने बताया कि छह दिन बाद प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है जिससे तापमान में गिरावट महसूस होगी। हालांकि जिन जगहों पर बारिश नहीं भी होगी तो वहां पर भी तापमान में गिरावट के आसार व्यक्त किए जा रहे हैं। तापमान के मामले में बांदा अभी भी सबसे ऊपर बना हुआ है। शनिवार को यहां अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री दर्ज किया गया। 46 डिग्री के साथ प्रयागराज दूसरे नंबर पर रहा। झांसी में तापमान 44.9 डिग्री, वाराणसी में 44.7, हमीरपुर में 44.6 और सुल्तानपुर में 44.4 डिग्री दर्ज किया गया।

42 घंटे बिजली के लिए तरसी एक लाख की आबादी फूटा लोगों का गुस्सा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में पारा बढ़ने के साथ बिजली संकट गहराता जा रहा है। एफसीआई और शकुंतला उपकेंद्र से जुड़े इलाकों की करीब एक लाख की आबादी 42 घंटे तक बिजली के लिए तरस गई। इस बीच शिकायत के बावजूद बिजली नहीं आई तो शुक्रवार रात 11:15 बजे उपभोक्ताओं का गुस्सा बुद्धेश्वर चौराहे पर फूट पड़ा। 300 से ज्यादा लोगों ने सड़क जाम कर एक घंटे तक प्रदर्शन किया। इससे आवागमन ठप हुआ तो पुलिस ने लाठी फटकार लोगों को खदेड़ा। मुनेश्वरपुरम, प्रभातपुरम, बादशाह सिटी, चंदन विहार, शिया कॉलोनी, नूरनगर, हर्ष नगर, भपटामऊ, जाहिदनगर, बाबू मियां चक्की से मंदिर तक के इलाके शुक्रवार सुबह चार बजे से बिजली संकट की चपेट में रहे। गुस्साए लोग रात तीन बजे तक प्रदर्शन करते रहे। शनिवार सुबह चार बजे मुनेश्वरपुरम के कुछ हिस्से की बिजली चालू हुई तो लोग घर लौटे। जेई जहांगीर आलम कार से लोगों के बीच पहुंचे तो उनके खिलाफ नारेबाजी होने लगी। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें बंधक बनाकर जमीन पर बैठा लिया और कार भी पंचर कर दी। इसके बाद प्रदर्शनकारी बुद्धेश्वर चौराहे पर जाम लगाकर बैठ गए। पुलिस ने जेई को इनके बीच से निकाला। मुनेश्वरपुरम निवासी अनुरोध मिश्रा ने बताया कि एफसीआई उपकेंद्र पर श्रमिकों को बिजली आपूर्ति का जिम्मा सौंपा गया है, जिन्हें तकनीकी ज्ञान नहीं है। मामूली न्यूट्रल के टूटे तार को उपकेंद्र के जो कर्मचारी 24 घंटे में नहीं खोज पाए, उसे मीटर के कर्मचारी ने 20 मिनट में ढूंढकर बिजली चालू कर दी। मुनेश्वरमपुरम में 24 घंटे बाद बिजली चालू हो पाई।

कोडीन कफ सिरप की अवैध तस्करी

फरार तस्करों के इंटरनेशनल लिंक की जांच तेज

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में कोडीन कफ सिरप की अवैध तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने कोर्ट में 40 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। जांच में 900 करोड़ रुपए के काले कारोबार का खुलासा हुआ है, जबकि तीन मास्टरमाइंड अब भी विदेश में फरार हैं। एनडीपीएस एक्ट के तहत लगाई गई चार सीट में आलोक प्रताप सिंह, अमित टाटा समेत पर आरोपियों के खिलाफ यह चार्जशीट दाखिल की गई है। STF की जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि पूरे रैकेट के दौरान सप्लाई की गई एक भी कोडीन कफ सिरप की बोतल मेडिकल स्टोर्स तक नहीं पहुंची। दवा के नाम पर तैयार किया गया पूरा स्टॉक सीधे नशे के अवैध बाजार में भेजा जाता था। इससे साफ है कि यह नेटवर्क पूरी तरह से योजनाबद्ध तरीके से संचालित हो रहा था, जिसमें वैध सप्लाई चैन का इस्तेमाल केवल आड़ के तौर पर किया गया। इस मामले में STF ने आलोक सिंह और अमित टाटा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले अन्य आरोपियों के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। जांच एजेंसी के अनुसार, पूरे नेटवर्क में कुल 12 मुख्य आरोपी चिह्नित किए गए थे, जिनकी भूमिकाएं अलग-अलग स्तर पर तय थीं। मामले के तीन मुख्य मास्टरमाइंड शुभम, गौरव और वरुण अभी भी फरार हैं और उनके विदेश में छिपे होने की जानकारी सामने आई है। STF अब इनके खिलाफ लुकआउट नोटिस और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से कार्रवाई की तैयारी में है। जांच में यह भी सामने आया है कि तस्करी का रूट बेहद संगठित था। कफ सिरप की खेप पहले बिहार और पश्चिम बंगाल भेजी जाती थी, जहां से इसे आगे बांग्लादेश तक पहुंचाया जाता था। इस अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क के जरिए बड़े पैमाने पर मुनाफा कमाया जा रहा था। चार्जशीट में करीब 900 करोड़ रुपए के अवैध कारोबार का जिक्र किया गया है, जो इस रैकेट के बड़े पैमाने को दर्शाता है। STF का मानना है कि आगे की जांच में और भी लोगों की संलिप्तता सामने आ सकती है, जिससे इस नेटवर्क के और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

सपा के ललित तिवारी को फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड से पार्षद पद की शपथ दिलाई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में पांच महीने तक चली कानूनी लड़ाई के बाद सपा के ललित तिवारी को फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड से पार्षद पद की शपथ दिलाई गई। महापौर सुषमा खर्कवाल ने शपथ दिलाई। नगर निगम के 66 साल के इतिहास में यह पहला मौका है, जब किसी को कोर्ट के आदेश पर शपथ दिलाई गई हो। यह मामला फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड का है। वहां पर भाजपा के प्रदीप शुक्ला टिंकू विजय हुए थे। दूसरे नंबर पर सपा के ललित तिवारी रहे थे। इन दोनों के बीच मतों का अंतर करीब 1700 का था। चुनाव के बाद ललित किशोर ने कोर्ट में वाद दायर किया कि भाजपा के प्रदीप शुक्ला टिंकू ने शपथ पत्र में अपनी विवाह को लेकर गलत जानकारी दी है। इसके बाद कारीब पांच महीने पहले अपर जिला जज की कोर्ट ने प्रदीप शुक्ला के निर्वाचन को निरस्त करते हुए ललित तिवारी को निर्वाचित घोषित कर दिया। निर्वाचित घोषित होने के बाद से ललित तिवारी शपथ ग्रहण को लेकर प्रयास कर रहे थे। इसको लिए उन्होंने नगर निगम, जिलाधिकारी, मंडल आयुक्त कार्यालिय और शासन तक पत्राचार किया। जब शपथ ग्रहण नहीं कराया गया तो उन्होंने इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में वाद किया। हाईकोर्ट की ओर से शपथ ग्रहण करने के लिए आदेश जारी किए गए।

सोशल मीडिया पर अनुचित पोस्ट करने वाले पुलिसकर्मियोंपर होगी कार्रवाई

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

जारी पत्र में कहा गया है कि सोशल मीडिया पॉलिसी-2023 लागू होने के बावजूद कई कर्मचारी अनुशासनहीन पोस्ट कर रहे हैं। इससे विभाग की छवि प्रभावित हो रही है। एडीजी कानून एवं व्यवस्था अमिताभ यश की ओर से जारी आदेश में सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों, इकाई प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों को ऐसे मामलों की जांच कर दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यालय ने पुलिसकर्मियों को अपनी आधिकारिक पोस्ट, यूआरएल और अन्य जरूरी सूचनाएं सुरक्षित रखने को भी कहा है। पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि सोशल मीडिया पर की गई अनुचित गतिविधियां न केवल सरकारी कार्य को प्रभावित करती हैं, बल्कि प्रदेश पुलिस की गरिमा और विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाती हैं। पुलिस मुख्यालय ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 8 फरवरी 2023 को जारी सोशल मीडिया पॉलिसी का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

लखनऊ में मायावती का शक्ति प्रदर्शन

बूथ मजबूती और 2027 चुनावी मिशन पर बड़ा संदेश

राजधानी लखनऊ में मॉल एवेन्यू स्थित आवास पर रविवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने राज्य स्तरीय बैठक की। इसमें संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर बड़ा संदेश दिया। बैठक में आकाश आनंद और आनंद कुमार मौजूद रहे। साथ ही यूपी के सभी जिलाध्यक्ष और वरिष्ठ पदाधिकारी बुलाए गए थे। बैठक के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में मायावती ने कहा कि पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, जनाधार बढ़ाने और विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर गंभीरता से काम किया जाए। जनता विरोधी और छलावे की राजनीति से लोगों का आत्मसम्मान के साथ जीना मुश्किल हो गया है। मायावती ने कहा कि बदलते राजनीतिक हालात और चुनावी चुनौतियों को देखते हुए बसपा को और अधिक चुस्त-दुरुस्त एवं मुस्तैद बनने की जरूरत है। उन्होंने दावा किया कि यूपी में बसपा के पक्ष में जनरुझान बढ़ रहा है। पार्टी का लक्ष्य प्रदेश में पांचवीं बार सर्वजन हिताय सरकार बनाना है। बसपा सुप्रीमो ने बिना नाम लिए विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के समय जनता से बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही सरकारें अपने वादों और घोषणाओं को भूल जाती हैं। ऐसी छलावा और विभाजनकारी राजनीति से जनता का भला नहीं हो रहा है। लोगों को जागरूक करें कि उनका वोट ही सबसे बड़ा अधिकार और हथियार है। मायावती ने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, नए-नए नियम-कानून और आर्थिक दबावों के कारण आम जनता का जीवन कठिन हो गया है। उन्होंने सरकारों से रोजगार, रोटी, शांति-सौहार्द और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर ध्यान देने की अपील की। कहा कि बसपा सरकार के दौरान कानून व्यवस्था और सर्वजन हिताय की नीति से प्रदेश में बेहतर माहौल बना था। जनता को उसी मॉडल पर फिर भरोसा करना चाहिए। मायावती ने कहा कि वर्ष 2007 की तरह सर्वसमाज को सम्मान और भागीदारी देने का काम बसपा ने किया था। उन्होंने दावा किया कि ब्राह्मण समाज समेत कमजोर तबकों को बसपा शासन में उचित सम्मान मिला और सर्वसमाज का हित केवल बसपा में सुरक्षित है। बैठक में पार्टी संगठन की प्रगति रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। बूथ स्तर तक नेटवर्क मजबूत करने की रणनीति बनाई गई।

मिशन 2027 पर फोकस

उन्नाव में भाजपा का प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत आयोजित दो दिवसीय शिविर रविवार को संपन्न हो गया। परिमल वाटिका में आयोजित इस शिविर में जिले भर से सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, प्रदेश प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव और एमएलसी मुकेश शर्मा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। नेताओं ने संगठन की मजबूती, चुनाव प्रबंधन और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के तरीकों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। शिविर के दौरान कार्यकर्ताओं को 11 वैचारिक और संगठनात्मक सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। इनमें भाजपा की विचारधारा, संगठनात्मक ढांचा, चुनाव संचालन, बूथ प्रबंधन और विपक्ष के प्रचार का प्रभावी जवाब देने जैसे विषय शामिल रहे। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद कार्यकर्ताओं की ऑनलाइन परीक्षा भी आयोजित की गई, जिससे उनकी समझ और संगठनात्मक जानकारी का मूल्यांकन किया जा सके। राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि भाजपा की राजनीति का मूल उद्देश्य अंत्योदय है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं और उन्हें जनता के बीच सक्रिय रहकर कार्य करना होगा। प्रदेश प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने बूथ स्तर की रणनीति और चुनाव प्रबंधन पर चर्चा करते हुए कहा कि 'मिशन 2027' को ध्यान में रखते हुए संगठन को अभी से मजबूत किया जा रहा है। उनके अनुसार, हर बूथ पर सक्रिय टीम और मजबूत संगठन ही भाजपा की जीत का आधार बनेगा। एमएलसी मुकेश शर्मा ने "देश के समक्ष चुनौतियां और नैरेटिव" विषय पर अपने विचार रखते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष भ्रामक प्रचार के जरिए जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है, जिसका जवाब भाजपा कार्यकर्ता तथ्यों और सरकार के कार्यों के आधार पर देंगे। उन्होंने सोशल मीडिया और जनसंपर्क के माध्यम से सही जानकारी जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया। शिविर के समापन अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण शिविर से मिली वैचारिक ऊर्जा के बल पर जिले के हर बूथ को मजबूत बनाया जाएगा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और "भारत माता की जय" के नारों के साथ हुआ। दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल कार्यकर्ताओं को 11 अलग-अलग वैचारिक और संगठनात्मक विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद उनकी ऑनलाइन परीक्षा भी कराई गई, जिससे विषयों पर उनकी पकड़ का मूल्यांकन किया गया। शिविर में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर विशेष रणनीति पर चर्चा हुई। नेताओं ने बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर दिया। एमएलसी मुकेश शर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और झूठे नैरेटिव का मजबूती से जवाब देना होगा। इसके लिए कार्यकर्ताओं को तथ्य आधारित संवाद और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग की ट्रेनिंग दी गई।

मतभेद भुलाकर दोबारा साथ रहने को राजी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद में पुलिस विभाग द्वारा संचालित परिवार परामर्श केंद्र और महिला हेल्पडेस्क की पहल से 24 विवादित दंपति अपने मतभेद भुलाकर दोबारा साथ रहने को राजी हो गए हैं। इन केंद्रों का उद्देश्य परिवारों को टूटने से बचाना और पति-पत्नी के बीच के विवादों को समाप्त करना है। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र और विभिन्न थानों की महिला हेल्पडेस्क के अथक प्रयासों से यह संभव हो पाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन में आयोजित काउंसलिंग सत्रों में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवादों को गंभीरता से सुना गया। परिवार परामर्शदाताओं और महिला पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को रिश्तों में संवाद और विश्वास बनाए रखने की सलाह दी। लंबी बातचीत और समझाइश के बाद सभी 24 जोड़ों ने पुराने विवादों को समाप्त कर सौहार्दपूर्ण तरीके से साथ रहने का निर्णय लिया। समझौते के बाद जिन जोड़ों को विदा किया गया, उनमें महिला थाना से 5, थाना गंगाघाट से 4, परिवार परामर्श केंद्र और थाना बांगरमऊ से 3-3 जोड़े शामिल थे। इसके अतिरिक्त, थाना पुरवा और हसनगंज से 2-2 जोड़े, जबकि थाना बेहटा मुजावर, अजगैन, दही, बीघापुर और कोतवाली सदर से 1-1 जोड़े ने भी सुलह की।

130 करोड़ से खत्म होंगे हाईवे के पांच ब्लैक स्पॉट

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव/नवाबगंज। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर जाम और हादसे रोकने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने पांच ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना व जाम बाहुल्य स्थान) खत्म करने का काम शुरू कर दिया है। 82 किलोमीटर लंबे हाईवे पर तीन जगह पुल, एक फुट ओवरब्रिज और सर्विस रोड बनेगी। 130 करोड़ रुपये से होने इन कार्यों में निर्माण एजेंसी ने पुल के पिलर की पाइलिंग से पहले मिट्टी की जांच शुरू की है। कानपुर-लखनऊ हाईवे, जाजमऊ गंगा नदी पुल से लखनऊ सीमा पर सई नदी पुल तक लंबाई 82 किलोमीटर है। इस दूरी में पांच ऐसे स्थान हैं जहां लगभग हर दिन कोई न कोई हादसा होता है। सड़क सुरक्षा समिति में लगातार मुद्दा उठने पर जिला प्रशासन ने एनएचएआई को वृहद कार्ययोजना बनाकर सुधार कराने के लिए कहा था। एनएचएआई ने इन पांचों स्थानों पर ब्लैक स्पॉट खत्म करने के लिए 130 करोड़ की कार्ययोजना तय की थी। स्वीकृति और टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद काम की शुरुआत हुई है। नवाबगंज कस्बे के पास बनने वाले फ्लाईओवर के पिलर के लिए चिह्नित स्थानों के आसपास पाइलिंग का काम कराने से पहले मिट्टी की जांच की जा रही है। उन्नाव-पुरवा मार्ग से जोड़ने वाले दही चौकी तिराहा पर पुल की लंबाई बढ़ा कर पुरवा मोड़ पर अंडरपास बनाया जाएगा। पुरवा, मौरावां मार्ग से मोहनलालगंज के रास्ते लखनऊ जाने-आने वाले वाहन अंडरपास से और कानपुर व लखनऊ की ओर जाने-आने वाले वाहन बिना रुके पुल से निकल जाएंगे।नवाबगंज कस्बा में सामने हाईवे पर तिराहा पर पुल बनाएगा। यहां नवाबगंज कस्बा मार्ग और ब्लॉक कार्यालय व पीएचसी, हाईवे से सटे होने से अक्सर हादसे होते हैं। यहां पुल बनने से यातायात सुरक्षित और सुगम होगा। आशा खेड़ा में भी लगभग हर दूसरे दिन कोई न कोई हादसा होता है। यहां पर हाईवे के दोनों तरफ सर्विस सड़क बनाई जाएगी। इससे ग्रामीण रास्तों से आने-जाने वाले वाहन सवार, सर्विस रोड का उपयोग करेंगे इससे हादसे रुकेंगे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय प्रियंक सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 8 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। विभाग ने गंदगी, खराब गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के आरोप में कई दुकानदारों को नोटिस भी जारी किए। अभियान के तहत, आवास विकास स्थित खुशी आइसक्रीम फैक्ट्री में भारी गंदगी पाई गई। निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर साफ-सफाई के मानकों का पालन नहीं हो रहा था। खाद्य पदार्थ खुले में रखे मिले और निर्माण प्रक्रिया भी अस्वच्छ परिस्थितियों में चल रही थी। इस गंभीर उल्लंघन पर विभाग ने फैक्ट्री संचालक को कारोबार बंद करने का नोटिस जारी किया। इसी कड़ी में, न्यू दीपिका आइसक्रीम से कुल्फी घोल का नमूना लिया गया, जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच टीम ने मौके पर खराब स्थिति में रखे लगभग 5 लीटर आइसक्रीम घोल और 100 पीस चॉकलेट को भी नष्ट किए। विभाग के अनुसार, नष्ट किए गए इस सामान की अनुमानित कीमत लगभग 1800 रुपये है। इसके अतिरिक्त, टीम ने बाजार में बिक रहे मिश्रित दूध, बर्फी और पनीर के भी नमूने एकत्र किए। इन सभी नमूनों को भी जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद, संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सहायक आयुक्त प्रियंक सिंह ने बताया कि आम जनता को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि त्योहारों और गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दोस्तीनगर-भतावां सड़क निर्माण के लिए शनिवार को भूमि पूजन हुआ

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। शहर से जुड़े दोस्तीनगर-भतावां सड़क निर्माण के लिए शनिवार को भूमि पूजन हुआ। करीब 1400 मीटर लंबे और 3.75 मीटर चौड़े इस मार्ग के निर्माण के लिए 60 लाख का बजट स्वीकृत हुआ है। निर्माण 60 दिन में पूरा करना होगा। लोक निर्माण विभाग ने दो ग्राम पंचायतों को जोड़ने वाले ऐसे मार्गों का सर्वे कराया था जो क्षतिग्रस्त थे। इनमें दोस्तीनगर से भतावां मार्ग भी शामिल था। इस मार्ग के लिए 60 लाख का बजट स्वीकृत हुआ है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद शनिवार को सहकारी ग्राम विकास बैंक अध्यक्ष संजीव त्रिवेदी ने भूमि पूजन किया। उन्होंने बताया कि यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों पटियारा, पवई आदि को भी सीधे मुख्य मार्ग से जोड़ने का कार्य करेगी। सड़क बनने से ग्रामीणों को आवागमन, शिक्षा, व्यापार एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में बड़ी सुविधा मिलेगी। इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गौरव सिंह सेंगर, सत्यम सिंह चौहान, अनीस कनौजिया, पूर्व प्रधान दिनेश रावत, विमलेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

उन्नाव में पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। जारी आदेश के तहत कई कंप्यूटर ऑपरेटरों, मुख्य आरक्षियों और कांस्टेबलों का तत्काल प्रभाव से तबादला किया गया है। साथ ही बीघापुर थाना और लालकुआं चौकी में नई तैनातियां की गई हैं। हाल ही में हुए लूटकांड के मामले में निलंबित किए गए बीघापुर थानाध्यक्ष राजपाल की जगह पुलिस लाइन में तैनात दरोगा अरविंद कुमार को बीघापुर थाने की कमान सौंपी गई है। वहीं दरोगा मोहित कनौजिया को भी थाना बीघापुर भेजा गया है। विभाग इसे कानून व्यवस्था सुधारने की दिशा में अहम कदम मान रहा है। तबादला सूची में सबसे अधिक फेरबदल पुलिस लाइन से यातायात शाखा में देखने को मिला है। कंप्यूटर ऑपरेटर सुशील कुमार प्रजापति को पुलिस लाइन से थाना गंगाघाट भेजा गया है, जबकि हेड कांस्टेबल सौरभ मिश्रा का तबादला कोतवाली से थाना आसीवन किया गया है। इसके अलावा शोभित कुमार, रजत तोमर, रामशरण, योगेन्द्र अवस्थी, अभिषेक अवस्थी, संजय सिंह भाटी और शिवेन्द्र सिंह को पुलिस लाइन से यातायात शाखा में भेजा गया है। वहीं सुमित कुमार को पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय में तैनाती दी गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी आदेश की प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों को भेज दी गई है। सभी स्थानांतरित कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में पुलिस व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए विभाग में और बदलाव हो सकते हैं।

बिजली संकट पर सीएम योगी सख्त

लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

भीषण गर्मी के बीच उत्तर प्रदेश में बढ़ती बिजली मांग को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने बिजली सप्लाई, ट्रांसफॉर्मर खराबी और शिकायत निस्तारण में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। सीएम ने गांव से शहर तक निर्बाध बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने और फील्ड स्तर पर त्वरित रिस्पॉन्स सिस्टम सक्रिय रखने के निर्देश दिए।

यूपी में बिजली संकट पर सीएम योगी ने कहा है कि बिजली सप्लाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। किसी भी स्तर पर कोई चूक हुई तो एक्शन तय है। उन्होंने ऊर्जा मंत्री और राज्य मंत्री को फील्ड में उतरकर कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने को कहा है। सीएम ने साफ कहा कि गांव से लेकर शहर तक निर्बाध बिजली व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। योगी रविवार को ऊर्जा विभाग, पावर कॉरपोरेशन और सभी डिस्कॉम के अधिकारियों के साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा और राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत भी मौजूद थे। योगी ने अफसरों से कहा- बिजली आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की क्षमता महत्वपूर्ण है। गर्मी के मौसम में किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा को कम से कम रखने का प्रयास किया जाए। ट्रांसमिशन नेटवर्क की मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। प्रदेश में बिजली सप्लाई की व्यवस्था को और अधिक जवाबदेह और उपभोक्ता केंद्रित बनाया जाए। सीएम ने कहा- ट्रांसफॉर्मर खराब होने, फीडर बाधित होने और शिकायत निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। आंधी-तूफान और भीषण गर्मी जैसी परिस्थितियों के बावजूद फील्ड स्तर पर त्वरित रिस्पॉन्स सिस्टम सक्रिय रखा जाए। जहां अंडरग्राउंड केबल हैं, वहां खुदाई से पहले संबंधित अधिकारी से इजाजत ली जाए, ताकि बिजली सप्लाई पर असर न पड़े। योगी ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था को लोगों के लिए आसान और फायदेमंद बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा- बिजली सिर्फ तकनीकी मामला नहीं है, बल्कि आम लोगों की जिंदगी, किसानों की सिंचाई, व्यापार और उद्योग से जुड़ी हुई है। फील्ड अधिकारियों की नियमित निगरानी हो, शिकायतों का जल्दी समाधान किया जाए। लापरवाही पर सख्त कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा मंत्री और राज्य मंत्री को निर्देश दिए कि हेल्पलाइन कॉल सेंटर का निरीक्षण कर व्यवस्था की पड़ताल करें। सीएम ने कहा- गर्मी के मौसम में प्रदेशवासियों को पर्याप्त बिजली देना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है, जिसे सभी डिस्कॉम मिलकर पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने भविष्य की जरूरतों को देखते हुए लंबी अवधि की ऊर्जा योजना पर जोर दिया। साथ ही उपभोक्ता सेवाओं को ज्यादा तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाने की बात कही। अफसरों ने बताया- इस साल अप्रैल-मई में पिछले साल की तुलना में ज्यादा गर्मी पड़ी। प्रदेश में बिजली की मांग बढ़ी। 15 अप्रैल से 22 मई के बीच रोजाना औसत बिजली खपत 501 मिलियन यूनिट से बढ़कर 561 मिलियन यूनिट हो गई। अधिकतम मांग 29,831 मेगावाट से बढ़कर 30,339 मेगावाट पहुंच गई। 20, 21 और 22 मई को यूपी देश में दूसरा सबसे ज्यादा बिजली खपत वाला राज्य रहा। 15 मई के बाद अलग-अलग कारणों से कुछ पावर प्लांटों में बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ। फिर भी उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने 12 राज्यों के साथ पावर बैंकिंग कर बिजली की व्यवस्था बनाए रखी। 2015 से 2026 के बीच प्रदेश ने 32,305 मेगावाट बिजली क्षमता के लिए समझौते किए हैं, जिनमें से 62 प्रतिशत क्षमता पिछले तीन साल में जोड़ी गई है। 2022-23 में 39,177 बड़े ट्रांसफॉर्मर खराब हुए थे, जबकि 2025-26 में यह संख्या घटकर 20,292 हो गई। बेहतर सुरक्षा व्यवस्था, समय पर मरम्मत और जिम्मेदारी तय होने से यह सुधार हुआ है।

नहाने गए भाई-बहन की डूबने से मौत

यूपी के गोरखपुर में सरयू नदी में नहाने गए एक ही परिवार के भाई-बहन की डूबने से मौत हो गई. दोनों भाई-बहन ननिहाल आए हुए थे. घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है, वहीं गांव में भी शोक का माहौल है.उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में सरयू नदी में नहाने गए तीन बच्चों के डूबने की दर्दनाक घटना सामने आई है. हादसे में एक युवक ने अपनी जान जोखिम में डालकर एक बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दो बच्चों की मौत हो गई. मृतकों में भाई-बहन शामिल हैं, जो अपने ननिहाल घूमने आए थे. घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है, वहीं गांव में भी शोक का माहौल है. जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला गोरखपुर के मेहड़ा गांव का है. यहां मथुरा से अपने ननिहाल आए 11 वर्षीय प्रिंस और उसकी 13 वर्षीय बहन शिवानी रविवार सुबह करीब 8 बजे गांव की ही रहने वाली 16 वर्षीय माया के साथ सरयू नदी में नहाने के लिए गए थे. बताया जा रहा है कि नहाने के दौरान तीनों बच्चे नदी के गहरे पानी में चले गए और तेज लहरों की चपेट में आकर डूबने लगे. बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे. इसी दौरान एक युवक ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए नदी में छलांग लगा दी और बचाव अभियान शुरू किया. युवक ने सबसे पहले 16 वर्षीय माया को गहरे पानी से बाहर निकाला, जिससे उसकी जान बच गई. इसके बाद युवक ने 11 वर्षीय प्रिंस को भी नदी से बाहर निकाल लिया, लेकिन तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी थी. आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. वहीं प्रिंस की बहन शिवानी गहरे पानी में लापता हो गई थी.

'लेखक गांव' कार्यक्रम में बोले कुमार विश्वास 'कॉकरोच बना है तो HIT भी मौजूद है'

'मेरी मां ने बताया था कि काकरोच अंधेरे में रहता, इकठ्ठा होकर रहता है। काकरोच हर शोभन वस्तु पर आक्रमण करता है। काकरोच बनी बनाई व्यवस्थाओं का नाश करता है। काकरोच सड़न में पैदा होता है। काकरोच का निर्माण हुआ है तो इस देश में HIT भी बने है। बहुत सारे H I T जाग्रत हैं। हिट लगातार कार्यक्रम में है वो चाहे बंगाल में हो या पंजाब हो। काकरोचों का उचित इलाज हो जायेगा।' यह बयान प्रसिद्ध कवि, लेखक और पूर्व राजनेता डॉ. कुमार विश्वास ने दिया है। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में इन दिनों 'कॉकरोच जनता पार्टी' को लेकर चर्चा तेज है। देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कुमार विश्वास ने बेहद तंज भरे अंदाज में कॉकरोच और H I T का जिक्र करते हुए राजनीतिक व्यवस्था पर कटाक्ष किया। उनका यह बयान अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, पिछले दिनों भारतीय समाज पार्टी से मऊ सदर विधायक अब्बास अंसारी ने खुद को 'कॉकरोच जनता पार्टी' का उम्मीदवार बताते हुए बयान दिया था। इसके बाद से इस शब्द को लेकर राजनीतिक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। अब कुमार विश्वास ने इसी मुद्दे पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी कर सियासी माहौल को और गरमा दिया है। शनिवार को देहरादून स्थित 'लेखक गांव' कार्यक्रम में पहुंचे डॉ. कुमार विश्वास ने मंच से कहा कि बचपन से उन्होंने कॉकरोच के बारे में कई बातें सुनी थीं। उन्होंने कहा कि कॉकरोच गंदगी में पलता है और उससे छुटकारा पाने के लिए कई तरह की दवाइयां भी बनाई गई हैं। उन्होंने अपने खास अंदाज में कहा कि उन्हें कॉकरोच के स्वभाव के बारे में उनकी मां ने बताया था। कुमार विश्वास ने कहा कि कॉकरोच अंधेरे में रहता है, झुंड बनाकर चलता है और हर सुंदर व व्यवस्थित चीज पर हमला करता है। उन्होंने कहा कि कॉकरोच बनी-बनाई व्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाता है और सड़न में पैदा होता है।

ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला

. ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने सपा, बसपा और आप को तगड़ा झटका दिया है. इन तीनों पार्टियों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को सुभासपा ले उड़ी. राजधानी लखनऊ में सपा, बसपा और आप के सैकड़ों कार्यकर्ता सुभासपा में शामिल हो गए. 2027 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कार्यकर्ताओं का ये दल-बदल विपक्ष के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है. लखनऊ में आज ओमप्रकाश राजभर की मौजूदगी में दूसरी पार्टियों से आए सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने 'छड़ी' का दामन थाम लिया. सुभासपा प्रदेश कार्यालय में सदस्यता अभियान के तहत इन्हें पार्टी में शामिल किया गया. इस दौरान योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला. राजभर ने कहा कि उनकी ट्रोलिंग गरीब विरोधी सोच को दर्शाती है. हम मेहनतकश समाज से आते हैं, मेहनत पर गर्व है. एसी-पीसी वाले नेता गरीबों का दर्द नहीं समझ सकते. इस मौके पर पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सुनील गौतम समेत कई बड़े चेहरे सुभासपा में शामिल हुए है.

राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी दलित, पिछड़े और वंचित समाज की लड़ाई लड़ रही है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि लखनऊ में सुभासपा के इस शक्ति प्रदर्शन से कई दलों में हलचल मच गई है. संगठन की मजबूती के लिए सुभासपा ने बड़ा सदस्यता अभियान चलाया हुआ है. राजभर का कहना है कि गरीबों और पिछड़ों के हक की लड़ाई जारी रहेगी. अरविंद राजभर ने कहा कि गरीबों के हित में ओमप्रकाश राजभर संघर्षरत हैं. सुभासपा में शामिल नेताओं के आने से पार्टी में जोश और उत्साह देखने को मिला. 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सुभासपा ने अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाने में जुटी है.